हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 212 30 जुलाई 2025 बुधवार हाथरस पृष्ठ 8 मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

पहलगाम हमले के 3 आतंकी ढेर: शाह

ऑपरेशन सिंदूर पर चिदंबरम के बयान पर बिफरे गृह मंत्री, पूछा- पाकिस्तान को बचाकर आपको क्या मिलेगा?

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में श्ऑपरेशन सिंदूरश पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के बयान पर नाराजगी जताई और उनपर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि चिदंबरम पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही शाह ने बताया कि हमले में शामिल आतंकियों की पहचान हो चुकी है और उनके मददगार भी पकड़े गए हैं। लोकसभा में श्ऑपरेशन सिंदूरश पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस सांसद और पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम के बयान पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर कांग्रेस को क्या हासिल होगा। शाह ने कहा कि चिदंबरम का बयान पूरी दुनिया के सामने अपने पाक प्रेम का बखान कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता का यह सवाल कि आतंकी पाकिस्तान से आए या नहीं, देश के पूर्व गृह मंत्री की तरफ से एक तरह से पाकिस्तान को क्लीन चिट देने जैसा है। इसके साथ ही शाह ने कहा कि हमारे पास सबूत हैं और हम संसद के पटल पर उसे रखने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मारे गए तीन आतंकियों में से दो के वोटर नंबर तक हमारे पास हैं। उनकी जेब में पाकिस्तान निर्मित चॉकलेट भी मिले हैं। साथ ही शाह ने बताया कि हमला कब और कैसे हुआ। आतंकी पाकिस्तान के ही थे, मददगार गिरफ्तार अमित शाह ने कहा कि जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकी पाकिस्तान से थे। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह 4 बजे इसकी पुष्टि हो गई। साथ ही जिन दो लोगों ने इन आतंकियों को शरण दी थी, उन्हें भी पकड़ लिया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने आतंकियों और उनके मददगारों को पकड़ने के लिए सभी संसाधनों का इस्तेमाल किया।

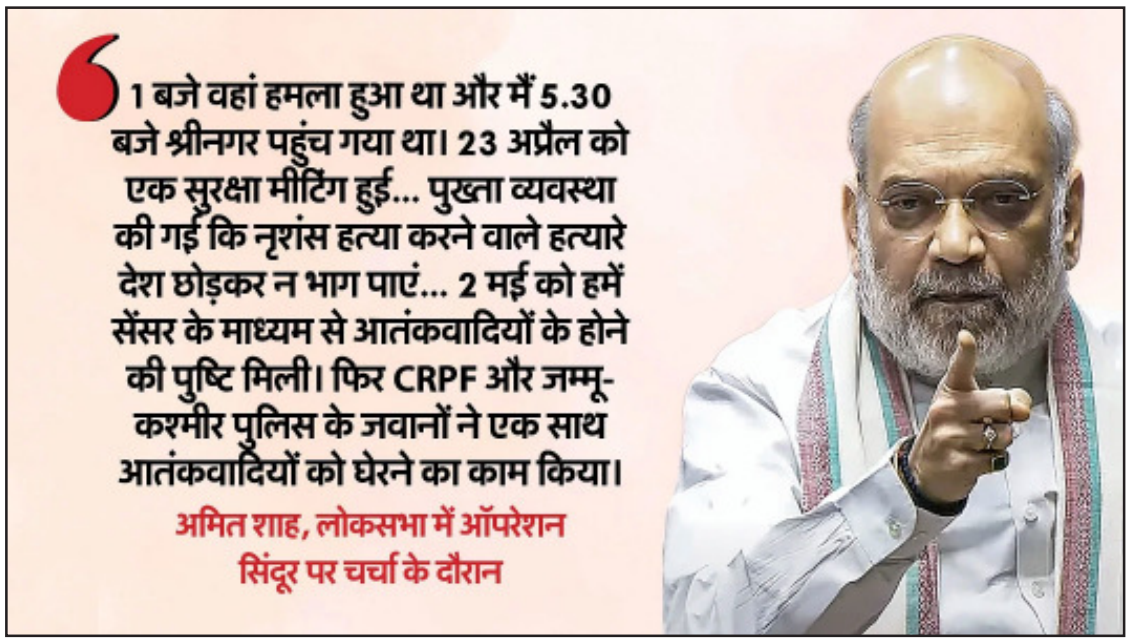

> 1 बजे वहां हमला हुआ था और मैं 5.30 बजे श्रीनगर पहुंच गया था। 23 अप्रैल को एक सुरक्षा मीटिंग हुई... पुख्ता व्यवस्था की गई कि नृशंस हत्या करने वाले हत्यारे देश छोड़कर न भाग पाएं... 2 मई को हमें सेंसर के माध्यम से आतंकवादियों के होने की पुष्टि मिली। फिर CRPF और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने एक साथ आतंकवादियों को घेरने का काम किया।
>
> अमित शाह, लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान

अप्रैल के हमले के बाद शुरू हुई कार्रवाई शाह ने जानकारी दी कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। उसी दिन वह श्रीनगर रवाना हो गए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगले दिन सीसीएस की बैठक बुलाई। उन्होंने बताया कि बैठक में सिंधु जल संधि को रोकने का फैसला लिया गया, जो कांग्रेस की ऐतिहासिक भूल थी। शाह ने कहा कि सरकार ने तय किया कि आतंकियों को उनके छिपने के ठिकानों में जाकर मार गिराया जाएगा। श्मोदी बिहार गए, राहुल पहलगाम गएश पर जवाब गौरव गोगोई के श्मोदी बिहार चले गए और राहुल गांधी पहलगाम गएश वाले बयान पर शाह ने कहा कि जब प्रधानमंत्री बिहार में थे, तब तक पहलगाम में कोई स्थिति नहीं थी।

पीएम मोदी ने सड़क हादसे में कांवरियों की मौत पर जताया दुख

देवघर/नई दिल्ली,(एजेंसी)। झारखंड के देवघर में हुए सड़क हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत पर पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम हेमंत सोरेन व सांसद निशिकांत दुबे ने गहरा शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को झारखंड के देवघर में हुए सड़क हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि झारखंड के देवघर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इस हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें यह दुःख सहन करने की शक्ति दें। साथ ही, मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को देवघर जिले में कांवड़ यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक बस की ट्रक से टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। संथाल परगना क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (IG) एस. के. सिन्हा ने बताया कि यह घटना आज सुबह हुई। उन्होंने कहा कि बस और ट्रक की टक्कर में छह कांवरियों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य घायल हैं। सीएम सोरेन ने भी जताया दुख वहीं, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस घटना पर दुख जताते हुए घायलों को हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिलाया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज सुबह देवघर जिला अंतर्गत मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु की अत्यंत दुःखद सूचना प्राप्त हुई। जिला प्रशासन राहत, बचाव कार्य एवं घायलों के इलाज की व्यवस्था में जुटा हुआ है। सासंद निशिकांत दुबे ने 18 लोगों की मौत का किया दावा हालांकि देवघर के सांसद और भारतीय जनता पार्टी के नेता निशिकांत दुबे ने दावा किया कि इस हादसे में कम से कम 18 लोगों की जान गई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मेरे लोकसभा क्षेत्र देवघर में श्रावण मास में कांवर यात्रा के दौरान बस और ट्रक की टक्कर में 18 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई। बाबा बैद्यनाथ जी उनके परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

लोग सरकार भरोसे कश्मीर गए: प्रियंका

> 'टीआरएफ ने कई आतंकी हमले किए, लेकिन 2023 में उसे आतंकी संगठन घोषित किया गया। एक संगठन इतना बड़ा हमला करता है और सरकार को पता नहीं चला? हमारी एजेंसियां हैं, इनकी जिम्मेदारी कौन लेगा, क्या किसी ने इस्तीफा दिया?
>
> *प्रियंका गांधी, कांग्रेस सांसद लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान*

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा जारी है। इस दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी सदन में अपनी बात रखी। अपने वक्तव्य की शुरुआत में ही प्रियंका ने सत्ता पर तंज कसते हैं हुए कहा मेरे बोलने से पहले ही सत्ता पक्ष गायब हो गया है। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए यूपीए के 27 वाले बयान पर भी कांग्रेस नेता ने पलटवार करते हुए कई आरोप लगाए। प्रियंका ने सरकार से सवाल पूछते हुए कहा, कि पहलगाम आतंकी हमला कैसे और क्यों हुआ? कांग्रेस नेता ने आरोप लगाते हुए कहा कि, सरकार कह रही थी कश्मीर में सब अमन चौन है। वह लगातार प्रचार कर रही थी कश्मीर में सब कुछ शांत हैं। आप आइए और यहां पर्यटन को बढ़ाइए। वहां पर इस सरकार ने पर्यटकों को मरने के लिए छोड़ दिया। पर्यटकों को सरकार ने भगवान भरोसे छोड़ारू प्रियंका प्रियंका ने सरकार से सवाल पूछते हुए कहा, क्या सरकार को मालूम नहीं था कि यहां रोज 100–1500– पर्यटक जाते हैं, अगर यहां कुछ हो जाएगा तो लोग यहां से निकल नहीं पाएंगे, न सुरक्षा का न फर्स्ट ऐड का इंतजाम था, लोग वहां पर ये सरकार के भरोसे गए और इस सरकार ने उन्हें भगवान के भरोसे छोड़ दिया। देश के नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है, क्या इस देश के पीएम की नहीं, क्या इस देश के गृह मंत्री की नहीं है क्या रक्षा मंत्री की नहीं है। प्रियंका ने शुभम का भी किया जिक्र पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी का जिक्र करते हुए प्रियंका ने जो परिवार हंसते खेलते हुए घाटी का आनंद लेने वहां पहुंचा था। वहां पर

केवल कश्मीर में 5 साल में 25 हमले.. अमित शाह के यूपीए के 27 के जवाब में प्रियंका गांधी का पलटवार

आतंकियों ने एक घंटे तक लोगों को चुन–चुनकर मारा। शुभम की पत्नी के सामने ही उसके पति को मार दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां पर एक भी सुरक्षाकर्मी नहीं है। शुभम की पत्नी का बयान भी शेयर किया। 5 साल में कश्मीर में 25 हमले अमित शाह के यूपीए सरकार के 27 आतंकी हमले के बयान पर पलटवार करते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, गृह मंत्री ने महोदय ने जब यूपीए समय के आतंकवादी हमले तो लगभग 25 गिनाए थे, टीआरएफ ने 2020–25 के अंदर कश्मीर में अकेले 25 हमले किए हैं। पूरी लिस्ट है इन हमलों की। लेकिन मैं इतना कहूंगी कि इनमें रियासी का हमला था 2024 का जिसमें 9 लोग मारे गए थे। 2020 से लेकर 22 अप्रैल 2025 तक टीआरएफ ने कुल 41 सेना और सुरक्षाकर्मियों की हत्या की, 27 नागरिकों को मारा, 54 लोगों को घायल किया। भारत सरकार ने टीआरएफ को आतंकवादी को कब दर्जा दिया 2023 में दिया। तीन साल बाद। कश्मीर में तीन सालों के लिए आतंकवादी गतिविधियां कर रहे हैं।

औसानेश्वर मंदिर में भगदड़: एक–दूसरे पर चढ़ते–गिरते भागे चार हजार लोग, चीखों में बदल गया बम–बम का उद्घोष

लखनऊ,संवाददाता। आधी रात 12 बजे मंदिर के कपाट खुले। श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया गया। कुछ ही देर बाद बिजली के तार से टिनशेड के पोल में करंट आ गया। इसके बाद लोग जान बचाकर भागने लगे। बम–बम का उद्घोष चीख–पुकार में बदल गया। दुकानदार 10 मिनट तक तो अवाक खड़े रहे। घटना के वक्त मेला परिसर में करीब 20 हजार श्रद्धालु जमा थे। यूपी के बाराबंकी में औसानेश्वर मंदिर के कपाट रविवार रात करीब 12 बजे खुले। तब तक परिसर में करीब 20 हजार से अधिक श्रद्धालु जमा हो चुके थे। श्रद्धालुओं का आना लगातार जारी था। मंदिर के मुख्य द्वार से लगभग 250 मीटर दूर तक बैरिकेडिंग व टिन शेड के नीचे से लेकर बाहर तक करीब 4000 श्रद्धालु कतार में ठसाठस खड़े थे। चारों ओर बम–बम भोले और हर हर महादेव की गूंज थी। श्रद्धालु बेलपत्र, फूल और प्रसाद की खरीदारी में जुटे थे। रात करीब दो बजे अचानक लोग चीखने लगे। भागो–भागो...करंट फैल गया, कहकर एक–दूसरे पर चढ़ते–गिरते दौड़ पड़े। इस अफरातफरी में कुछ श्रद्धालु करंट लगने के डर से जमीन पर गिर पड़े, जबकि कुछ लोगों के पैर तले दबे। भगदड़ की सूचना मिलते ही मंदिर प्रबंधन की ओर से तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कराई गई। वहीं, ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी सीधे डायरेक्ट कटिंग पॉइंट की ओर दौड़े। आसपास के दुकानदारों को भी मदद के लिए बुलाया गया। मेले में पहले से खड़ी एंबुलेंस ने तत्काल घायलों को अस्पताल पहुंचाने का काम शुरू किया। रात 3रू00 बजे तक सभी घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने कुछ ऐसा ही हाल बताया। आसपास के दुकानदारों ने बताया कि पहले तो किसी की समझ में नहीं आया कि क्या हो गया। रात में भगदड़ मची तो मैं बैरिकेडिंग के समीप ही था। कुछ समझ पाता इससे पहले भीड़ आई और मेरी दुकान भी गिर गई। जाना कि करंट फैला है तो तुरंत हिम्मत नहीं हुई कि मौके पर जा सकें। लोग चिल्ला रहे थे कि लाइट काटो...। –करुणा शंकर, हलोर रायबरेली मैं मंदिर के पास अपनी चाय की दुकान पर सो गया था। तेज शोर सुनकर जागा तो देखा भगदड़ मची है... पहले लगा मारपीट हो गई है। लोग बस भाग रहे थे। करीब 10 मिनट की भगदड़ व अफरातफरी के बाद पता लगा कि बैरिकेडिंग में करंट उतर आया है। –संदीप गिरी, दुकानदार जो गिरा वह दबता चला गया रात करीब दो बजे बैरिकेडिंग में हर कोई भाग रहा था। महिलाएं चिल्ला रही थीं। मैं अपने साथियों के साथ पहुंचा तो देखा कि छह–सात लोग बैरिकेडिंग के अंदर बेसुध पड़े हैं। सैकड़ों लोग इनके ऊपर से निकल चुके थे। हम लोग पहुंचे और उन्हें बाहर लाकर अस्पताल भेजा। –कुट्टू बाबा, फूल विक्रेता

आजादी के बाद पहली बार बनी राजधानी की एक सड़क'

लखनऊ,संवाददाता। ऐशबाग मिलरोड करेहटा स्थित भारतीय स्टेट बैंक के बगल से जाने वाला मार्ग अंग्रेजों के समय से बिना आज तक जर्जर हाल मे चल रहा था जिसे किसी सरकार ने संज्ञान में नहीं लिया, आज भाजपा के साशन में इस सड़क का सीसी कार्य करा कर इसे नवजीवन प्रदान किया गया। रक्षामंत्री भारत सरकार राजनाथ सिंह की प्रेरणा से व पूर्व पार्षद गनेश कनौजिया के प्रयास से उक्त सड़क का निर्माण कार्य किया गया है। सड़क का उद्घाटन फीता काट कर व नारियल फोड़कर भाजपा लखनऊ महानगर के अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर महेन्द्र राजपूत, अशोक पांडे, योगेन्द्र पटेल, सत्यवान पांडे, उमा शंकर, जितेन्द्र कुमार, गौरव बाजपेई, प्रभुनाथ गुप्ता. लक्ष्मी नारायण गुप्ता , शिवेन्द मिश्रा. मनीष पांडे. मोहित गुप्ता. दिनेश धानुक विनय मिश्रा अनिल गुप्ता. शिवम् दीक्षित. राजन वर्मा. दिनेश कनौजिया विशाल शर्मा. शुभम् कुमार आदि प्रमुख लोग मौजूद रहे।

'डिंपल पर टिप्पणी...अखिलेश की चुप्पी,सपा से ज्यादा भाजपा को ठेस,सियासी खेल में लगा विरोधी पोस्टर

लखनऊ,संवाददाता। मौलाना साजिद रसीदी के द्वारा डिंपल यादव पर की गई टिप्पणी के बाद प्रदेश में जमकर सियासत हो रही है। विपक्ष तो मौलाना को गलत करार देकर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है लेकिन सत्ता पक्ष भी मौके को भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। दरअसल, मौलाना साजिद रशीदी ने सपा सांसद डिंपल यादव के पहनावे पर टिप्पणी किया था, जिसके बाद से बीजेपी ने मोर्चा खोल दिया है, वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव की चुप्पी को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

अफसरों की उदासीनता की शिकायतों के बाद सांसदों और विधायकों से मिले सीएम योगी, परियोजनाओं पर लिया सुझाव

लखनऊ,संवाददाता। अफसरों की उदासीनता की शिकायतों के बाद सीएम योगी ने सांसदों और विधायकों से मुलाकात की। उन्होंने तीन संभागों के लिए 19 हजार करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले जनप्रतिनिधियों से सुझाव लिया। सीएम योगी ने अफसरों और नेताओं के बीच सामंजस्य न होने के कारण रविवार को विकास परियोजनाओं के उद्घाटन से पहले बैठक की। इसमें झांसी, कानपुर और चित्रकूट डिवीजन के अफसर व एमपी, एमएलए शामिल हुए। परियोजनाओं को अलग रूप देने से पहले जनप्रतिनिधियों के साथ रखे गए इस मंडलवार संवाद का विचार पिछली बैठकों से लिया गया था। आधिकारिक घोषणा की गई कि भविष्य में इसी प्रकार की बैठकें की जाएगी। यह बैठक अगले वर्ष के पंचायत चुनाव और 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले अफसरों और जनप्रतिनिधियों के बीच की खाई को समाप्त करने के लिए किया गया था। सीएम आवास पर हुई बैठक में झांसी डिवीजन के लिए 4901 करोड़, चित्रकूट डिवीजन के लिए 3875 करोड़ और कानपुर डिवीजन के छह जिलों के लिए 10914 करोड़ आवांटित किया गया। जनप्रतिनिधियों के विचार लेकर परियोजनाओं को अंतिम रूप दें अफसर जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र के अनुरूप योजनाएं व परियाजनाएं बनाने की स्वतंत्रता दी गई थी, जिससे क्षेत्र के सभी मुद्दों पर चर्चा की जा सके। विधायकों द्वारा विभिन्न परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें सड़क, सिंचाई और धार्मिक संस्थान जैसे अहम विषय शामिल थे। सीएम ने सभी अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों के विचार लेकर परियोजनाओं को अंतिम रूप देने को कहा है। सभी प्रतिनिधियों से कहा, आप लोग अपने क्षेत्र में सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं को लागू करने के साथ उसकी निगरानी भी करेंगे। उसके बाद उन्होंने एमपी और एमएलए से अफसरों के साथ सामंजस्य और जनता की उनसे उम्मीद के विषय में सुझाव लिया। सीएम ने अधिकारियों को आदेश दिया कि परियोजनाओं का शिलान्यास स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा कराया जाए।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

जायंट्स ग्रुप आफ हाथरस गोल्ड ने अनोखे और निराले अंदाज में आयोजित किया तीज महोत्सव पारिवारिक मेगा कार्यक्रम

(भव्य प्रभात)

हाथरस। जायंट्स ग्रुप आफ हाथरस गोल्ड द्वारा हरियाली तीज महोत्सव कार्यक्रम सानंद संपन्न हुआ। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में 100 सदस्य परिवारों को आर आर सिनेप्लेक्स में सैयारा पिक्चर को दिखाया गया। सिनेमा हॉल पर ग्रुप के कवं अशोक रावत द्वारा सभी परिवार सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया । सायं 7 बजे सेजैक डोनाल्ड रेस्टोरेंट के नवीन'कमलयम' हॉल में चटकारे युक्त लजीज व्यंजनों के स्टॉलों पर स्वल्पाहार के बाद हरियाली तीज के मेगा कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना, प्रार्थना से शुरू हुआ ।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोजेक्ट को–ऑर्डिनेटर एवं सोनल अग्रवाल रहीं । मुख्य अतिथि का स्वागत ग्रुप अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने मूमेंट्स एवं रजत मुद्रा देकर इन्हें सम्मानित किया । सोनल ने

अपने भाषण में जायंट्स वेलफेयर एवं जायं की कार्य पद्धति के महत्व को बताया साथ ही'गोल्ड ग्रुप 'के इस तीज कार्यक्रम की भूर –भूर प्रसंशा की। सभा का संपूर्ण संचालन आर सी नरूला जी द्वारा काव्यात्मक एवं अनोखे अंदाज में किया। इस अवसर उन्होंने मुख्य अतिथि की योग्यता ध्परिचय को पढ़कर सुनाया । कार्यक्रम की श्रृंखला में ग्रुप के आठ सदस्य दंपत्तियों को जिनकी वैवाहिक तिथि रही थीं, उन सभी को गोल्ड अध्यक्ष दंपति ने अपने हाथों से रजत मुद्रा भेंट की । ये सभी जोड़े डायस पर नृत्य करते हुए आये ।इस सम्मान में एक नाम स्वयं अध्यक्ष दंपति श्री अनिल अग्रवाल हींगवालों का भी था जिनका स्वागत जायं प्रमोद सलूजा दंपति ने किया। इसके उपरांत तीज किंग – क्वीन एवं तीज प्रिंस –प्रिंसेज काभी चयन हुआ । चीफ गेस्ट श्रीमती सोनलअग्रवाल ने अपने अनोखे अंदाज में गीत, नृत्य, मेहंदी प्रतियोगिता एवं हाउजी का कार्यक्रम संपन्न कराया, जिस पर इनामों की भी खूब बौछार हुई। सभा समापन के बाद विशिष्ट व्यंजनों से युक्त सात्विक प्रीत–भोज और अंत में रिटर्न गिफ्ट जायं सुभाष चंद्र गर्ग साड़ी वालों द्वारा सभी सदस्यों को एक मिष्ठान्न का डिब्बा भेंट किया। कार्यक्रम को कामयाब बनाने में जायं बंधु सर्वश्री सतीश चंद्र गोयल, राकेश बंसल आर सी नरूला, राजकुमार अग्रवाल ,राकेश गोयल एवं ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष श्री अनिल मित्तल का सहयोग प्रसंशनीय रहा। पारिवारिक सभा के सुंदर ढंग से समापन के बाद ग्रुप के प्रशासनिक निदेशक अशोक रावत ने पधारे सभी सदस्य परिवारों का ह्रदय से आभार व्यक्त किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ई0वी0एम0 व वी0वी0पैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

(भव्य प्रभात)

हाथरस । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पाण्डेय ने ई0वी0एम0 / वी0वी0पैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ई0वी0एम0,वी0वी0पैट वेयरहाउस के निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सीसीटीवी कैमरे, सशस्त्र बलो की तैनाती, अग्निशमन उपकरणों आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सी0सी0टी0वी0 कैमरे संचालित पाये गये। निरीक्षणोपरांत भ्रमण पंजिका पर हस्ताक्षर किये। इस दौरान उन्होंने ई0वी0एम0,वी0वी0पैट वेयरहाउस तथा कार्यालय परिसर की नियमित रूप से साफ सफाई करने तथा घास कटवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के निर्देशन में लगातार अभियान चलाकर जनपद के अलग-अलग स्थान से खाद्य पदार्थ के नमूने संग्रहीत किये गए

(भव्य प्रभात)

हाथरस। शासन की आदेश और जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग सहायक आयुक्त खाद्य रणधीर सिंह के नेतृत्व और पंकज कुमार गुप्ता मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के निर्देशन में लगातार अभियान चलाकर जनपद के अलग–अलग स्थान से खाद्य पदार्थ के नमूने संग्रहीत किये जा रहे हैं स हाथरस स्थित भूरापीर से विष्णु राठौर की दुकान से सरसों का तेल और अग्रवाल जनरल स्टोर से कूटू का आटा जांच के लिए लिया गया स सादाबाद स्थित बड़ार चौराहे से जेपी डेयरी के दूध की गाड़ी से मिश्रित दूध का नमूना जांच के लिए लिया गया स तहसील सादाबाद में कुरसंडा रोड स्थित एक आटा निर्माण यूनिट से तैयार आटे का नमूना और मौके पर रखे एक सफेद अपमिश्रक का नमूना संदेह की आधार पर जांच हेतु लिया गया स मौके पर 1700 किलोग्राम आटा एवं 800 किलो सफेद अपमिश्रक को सीज कर खाद्य कारोबारकरता की सुरक्षित अभिरक्षा में दिया गया स तहसील सिकंद्राराऊ स्थित भोलेनाथ आइसक्रीम पार्लर से बादाम शेक का नमूना जांच वसुंधरा एंक्लेव हाथरस से बंधान ब्रांड काला नमक का सर्वे नमूना भी जांच हेतु लिया गया कंपोजिट विद्यालय ओढपुरा से चावल और दाल का सर्वे नमूना जांच हेतु लिया गया और मौके पर 22 बच्चों को मिलावट पहचानने एवं साफ सफाई के प्रति जागरूक भी किया गया स जलेसर अड्डे सादाबाद में धर्मेंद्र कुमार की मिठाई की दुकान से 3 किलो रंगीन बूंदी को खाद्य कारोबार करता की सहमति से नष्ट कर दिया गया स फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स के माध्यम से सासनी तहसील अंतर्गत रुहेरी , कोतवाली चौराहा और बस स्टैंड पर विभिन्न खाद्य पदार्थ की प्राथमिक जांच मौके पर कर जांच रिपोर्ट से लोगों एवं खाद्यकारोबारकरता को अवगत कराया गया स मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि सभी नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं और अग्रिम कार्रवाई रिपोर्ट प्राप्ति पर की जाएगी स खाद्य सुरक्षा अधिकारी यदुवीर सिंह, ओमकार कुशवाहा, पारुल सिंह, सुरेंद्र कुमार गोंड व करतार सिंह द्वारा कार्यवाही की गई स

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी का आयोजन कर किया जागरूक

(भव्य प्रभात)

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा पुलिस लाइन स्थित डीटीयू कक्ष में पुलिस पेंशनर्स के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया । इन दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार व अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे । गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस पेंशनर्स के लिये समय समय पर कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित कर उन्हें कानून, स्वास्थ्य और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी देने हेतु बताया गया।

जनपद न्यायालय में लगा चिकित्सा स्वास्थ्य जॉच कैम्प, अधिकारी एव कर्मचारियों की हुई स्वास्थ्य की जांच

(भव्य प्रभात)

हाथरस। जे.टी.आर.आई. लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश, हाथरस, विनय कुमार की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय, हाथरस के समस्त अधिकारीगण, कर्मचारियों के सतत सीखने हेतु वातावरण निर्मित किये जाने के उद्देश्य से वीडियो कॉन्फ्रेसिंग कक्ष, जनपद न्यायालय में चिकित्सा स्वास्थ्य जॉच कैम्प का आयोजन जनपद न्यायाधीश विनय कुमार की अध्यक्षता में किया गया है, जिसमें जनपद न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण के बोन मिनरल, डेंसिटी टेस्ट की जॉच संजीवनी मेडीकेयर सेन्टर, हाथरस व बी.एम.डी. कैम्प के अन्तर्गत डा. सुनील दीक्षित, जनपद न्यायालय में तैनात डा. उपेन्द्र सिंह व इन्टास कम्पनी की ओर से एम.आर. अशोक गुप्ता, टैक्नीशियन, सन्तोष कुमार एवं असिस्टेन्ट हर्ष शर्मा द्वारा की गयी। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, रवीन्द्र कुमार, अपर जनपद न्यायाधीश, महेन्द्र श्रीवास्तव, विशेष न्यायाधीश, एस.सी.ध्एस.टी. अधि. संगीता शर्मा, विशेष न्यायाधीश (पोक्सो) चित्रा शर्मा, अपर जनपद न्यायाधीश, हर्ष अग्रवाल, विजय कुमार, शैलेन्द्र सिंह, महेन्द्र कुमार रावत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अपर जनपद न्यायाधीश, सचिव, प्रशान्त कुमार व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, जयहिन्द कुमार सिंह, सिविल जज (व.प्र.) आकांक्षा गर्ग, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, दीपकनाथ सरस्वती, सिविल जज(व.प्र.), त्वरित न्यायालय, अनु चौधरी, सिविल जज (क.प्र.), एफटीसी–प्रथम, हर्षिका रस्तोगी, सिविल जज(क.प्र.), एफटीसी–द्वितीय, खुशबू चन्द्रा एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने आरटीसी रिक्रूट आरक्षियों को विभाग की कार्यशैली व प्रशिक्षण से संबंधित दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(भव्य प्रभात)

हाथरस। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा द्वारा पुलिस लाइन स्थित शैक्षिक कक्ष में रिक्रूट आरक्षियों को प्रशिक्षण से जुड़े विविध पहलुओं पर संबोधित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षु आरक्षियों को पुलिस विभाग की वर्तमान कार्यशैली और प्रशिक्षण की महत्ता को विस्तार से समझाया और उन्हें उनके कर्तव्यों व दायित्वों के प्रति प्रेरित किया । सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि वर्तमान समय में पुलिस केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने वाला बल नहीं रह गया है, बल्कि यह एक जनहितकारी, तकनीकी दक्ष, संवेदनशील एवं उत्तरदायी सेवा संगठन' बन चुका है। आज पुलिस को न केवल अपराध नियंत्रण और कानून–व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी है, बल्कि वह नागरिकों के प्रति पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही का भी निर्वहन करती है। उन्होंने प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि कि एक आरक्षी सबसे निचले स्तर पर जनता से सीधे संपर्क में रहता है। अतः

वह पुलिस व्यवस्था का चेहरा होता है, और उसी के आचरण से जनता पुलिस की छवि बनाती है ।उन्होंने प्रशिक्षुओं को स्पष्ट किया कि प्रशिक्षण केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह उनके पूरे पुलिस जीवन की नींव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि"प्रशिक्षण काल जितना सघन, गंभीर और व्यवहारिक होगा, आपकी सेवा उतनी ही सशक्त, प्रभावी और सराहनीय होगी।" प्रशिक्षण के प्रमुख अंगों जैसे कानूनी ज्ञान, अपराध अनुसंधान, शारीरिक दक्षता, ड्रिल, शस्त्र संचालन, साइबर सुरक्षा, आपराधिक मनोविज्ञान, मानवाधिकार, आदि को गंभीरता से आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। आधुनिक अपराध की प्रवृत्तियों पर बात करते हुए बताया कि अब अपराधकेवल गली–मोहल्लों तक सीमित नहीं हैं। साइबर अपराध, बैंक धोखाधड़ी, ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया दुष्प्रचार जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसलिए हर पुलिसकर्मी को अब तकनीकी रूप से भी सशक्त होना होगा। उन्होंने प्रशिक्षुओं को साइबर क्राइम अवेयरनेस, डिजिटल साक्ष्य संकलन, और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग जैसे विषयों पर भी ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता बताई। प्रशिक्षुओं को निष्ठा, ईमानदारी, सेवा भाव, संवेदनशीलता और निरंतर सीखते रहने की भावना के साथ कार्य करने की शुभकामनाएं दीं।

ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावलियों के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य 19 अगस्त से प्रारम्भ

19 अगस्त से बी0एल0ओ0 घर–घर जाकर करेंगे निर्वाचक नामावली में छूटे हुए मकानों के निर्वाचकों के नामों की जांच और परिवर्धन का कार्य

रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)धनिर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (पंचायत) सिद्धार्थ ने बताया है कि ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली के विस्तृत पुनरीक्षण का कार्य 19 अगस्त, 2025 से प्रारम्भ हो रहा है, जिसके अन्तर्गत घर–घर जाकर वर्तमान निर्वाचक नामावली में परिवर्धित, संशोधित एवं विलोपित होने वाले नामों तथा नए मकानोंध्वर्तमान निर्वाचक नामावली में छूटे हुए मकानों के निर्वाचकों के नामों की जांच और परिवर्धन का कार्य प्रारंभ होगा। जनपद रायबरेली के सभी अर्ह भारतीय नागरिक कृपया इस कार्य की अवधि में ही अपना नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराना सुनिश्चित कर लें। ऐसे भारतीय नागरिक जो किसी ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत सामान्य रूप से निवास कर रहे हैं, दिनाँक 01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु पूरी कर लिए हों, अपने निवास स्थान से सम्बन्धित ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने के लिए अर्ह होंगे बशर्ते वह अन्यथा अनर्ह न हो। अनर्हताएं निम्नवत् हैंरू– (क) भारत का नागरिक न हो, या (ख) विकृत चित्त हो और उसके ऐसा होने की किसी सक्षम न्यायालय की घोषणा विद्यमान हो, या (ग) निर्वाचन सम्बन्धी भ्रष्ट आचरण और अन्य अपराधों से संबंधित किसी विधि के उपबंधों के अधीन मत देने के लिए तत्समय अनर्ह हो। त्रुटि रहित निर्वाचक नामावली लोकतंत्र का आधार है और इसका सही बनना प्रत्येक नागरिक के सक्रिय सहयोग पर निर्भर है। अपना और अपने परिवार के सभी अर्ह सदस्यों के नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज है अथवा नहीं, की जाँच कर लें। यदि दर्ज नहीं है तो अवश्य दर्ज कराएं और इस हेतु घर पर पहुँचने वाले बी०एल०ओ० को वांछित सूचना दिए बिना कदापि वापस न करें। यदि आपके अथवा आपके परिवार के किसी नाम व प्रविष्टि में कोई संशोधन होना है या किसी नाम व प्रविष्टि को विलोपित किया जाना है तो उसे घर पर पहुँचने वाले बी०एल०ओ० को अवश्य अवगत करा दें। यदि सम्बन्धित बी०एल०ओ० अपने आवंटित मतदान केन्द्र पर घर–घर जाकर वर्तमान निर्वाचक नामावली के परिवर्धित, संशोधित एवं विलोपित होने वाले नामों तथा नए मकानोंध्वर्तमान निर्वाचक नामावली में छूटे हुए मकानों के निर्वाचकों के नामों की जांच और परिवर्धन का कार्य प्रारम्भ किये जाने की तिथि से 07 दिनों तक न पहुँचे या कोई शिकायत हो तो आप तत्काल जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय), निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अपने क्षेत्र के सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा खण्ड विकास अधिकारी से टेलीफोन पर अथवा व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर सकते है।

पत्रकार पर हमला करने वाला बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार,पैर में लगी गोली

नोएडा,संवाददाता। थाना सेक्टर–113 पुलिस द्वारा नागौरी फार्म हाउस सर्फाबाद के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान लोकल इंटेलिजेंस के जरिए सूचना मिली की वांछित बदमाश यहां से निकलने वाला है। बदमाश को आता देखकर पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। बदमाश ने रुकने की बजाय भागने का प्रयास किया गया। साथ ही अपने को घिरता देख पुलिस पार्टी पर फायर किया। पुलिस ने जवाबी एक्शन लेने हुए वॉर्निंग दी और बाद में फायर किया। बदमाश के पैर में गोली लगी। जिससे वो घायल हो गया। बदमाश की पहचान दीपक शर्मा पुत्र विनोद शर्मा निवासी ग्राम सर्फाबाद थाना सेक्टर–113 नोएडा के रूप में हुई है। घायल के पास से 01 अवैध तमंचा, 01 खोखा व 01 जिन्दा कारतूस, घटना में प्रयुक्त 01 चाकू बरामद किया गया है। दीपक द्वारा सोमवार रात को पत्रकार प्रमोद शर्मा पुत्र ठकरी दत्त शर्मा निवासी ग्राम सर्फाबाद पर जान से मारने की नियत से चाकू से प्रहार किया गया था। इस संबंध में थाना सेक्टर–113 पर मुकदमा दर्ज है। घायल बदमाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात को दीपक ने विवाद के चलते पत्रकार प्रमोद शर्मा पर जान लेवा हमला करते हुए चाकू से कई वार किए थे। जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। उनके सीधे हाथ में गहरे घाव है। बदमाश दीपक पर 11 से ज्यादा मुकदमे दर्ज है। पुलिस जांच कर रही है।

ई सिम के नाम पर 15 लाख ठगे,एक्टिव कराने के लिए आया था फोन

नोएडा,संवाददाता। साइबर ठगों ने ई सिम का झांसा देकर एक व्यक्ति को अपने जाल में फंसाया और 15 लाख रुपए की ठगी कर डाली। छह बार में ठगों ने खाते से रकम ट्रांसफर की। मोबाइल हैक कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर–11 निवासी रजनीश नारंग बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करते हैं। बीते दिनों रजनीश अपने मोबाइल में ई सिम एक्टिव कराने की कोशिश कर रहे थे। ई सिम एक्टिवेट होने के बजाय उनके साथ धोखाधड़ी हो गई। पीड़ित रजनीश ने दर्ज कराए गए केस में कहा है कि 18 जुलाई को उन्हें खुद को एयरटेल कर्मचारी बताने वाले एक व्यक्ति अमर का कॉल आया। उसने भरोसा दिलाया कि वह ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए ई सिम तुरंत उपलब्ध करा देगा। रजनीश को एयरटेल की ओर से एक पुष्टिकरण मैसेज भी मिला। अमर ने उन्हें आश्वस्त किया कि दो घंटे के अंदर ई सिम चालू हो जाएगी। इसी दौरान रजनीश के बैंक खाते से छह बार में कुल 15 लाख रुपए निकाल लिए गए। जब तक उन्हें ठगी का अंदाजा हुआ तब तक काफी देर हो चुकी थी। जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है, पुलिस उनकी जांच कर रही है। ठगी की रकम को फ्रीज कराने के लिए पुलिस ने संबंधित बैंक से संपर्क किया है। पीड़ित का यह भी कहना है कि लिंक डाउनलोड कराकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया। रजनीश ने ठगी में जो रकम गंवाई है वह उनकी अभी तक की जमा पूंजी थी। एडिशनल डीसीपी साइबर शैव्या गोयल ने लोगों से अपील की है कि कभी भी अनजान नंबर से आई कॉल पर भरोसा न करें। अगर कोई खुद को किसी कंपनी का कर्मचारी बता रहा है तो उसका पहचान कार्ड समेत दस्तावेज मांगे। दस्तावेजों की सत्यता की मूल कंपनी के कर्मचारियों और अधिकारियों से पुष्टि करें। इसके बाद ही आगे की प्रक्रिया करें। ठगी होने पर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

किसानों का प्राधिकरणों के खिलाफ आंदोलन

नोएडा,संवाददाता। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के आह्वान पर 30 जुलाई को गलगोटिया यूनिवर्सिटी अंडरपास पर तीनों प्राधिकरणों (नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना प्राधिकरण) के खिलाफ महापंचायत का आयोजन किया जाएगा। इसकी तैयारी के लिए मंगलवार को रीलखा और इलाहाबासगांव में जन जागरण अभियान के तहत किसान गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता राजाराम प्रधान और ओमवीर ने की। संचालन सुनील प्रधान और अनित कसाना ने किया। बैठक में बेली भाटी ने बताया कि प्राधिकरण गांवों में आबादी के निस्तारण का कार्य नहीं कर रहा है। गांवों के रास्ते जर्जर हो चुके हैं।

कुश्ती और कूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को एम एल सी पवन सिंह चौहान ने किया पुरस्कृत

लालगंजरायबरेली।नाग पंचमी के शुभ अवसर पर बैसवारा लालगंज के कुम्हड़ौरा गांव स्थित काली मंदिर प्रांगण में स्वर्गीय शिव प्रताप सिंह की स्मृति में विराट दंगल व कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें युवाओं ने अपनी प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शनकिया। प्रतियोगिता के आयोजक अजय सिंह पप्पू ने विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान को बड़ी माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया। प्रतियोगिता के तहत लंबी कूद में बनपुरवा सरेनी के मोहित कुमार ने 23.2 लंबी कूद कूद कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं रणगांव के आयुष कुमार ने 22.3 एवं धीरज पंडित गोंडा ने 22 फिट लंबी कूद कूद कर द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन समिति द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को साइकिल, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को टेबल फैन एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को मोबाइल दिया गया विभिन्न आयु वर्ग की कुश्ती प्रतियोगिता में मुस्ताक एवं विजय गोरखपुर तथा नदीम कानपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य व वित्तीय एवं प्रशासनिक विलंब समिति के सभापति पवन सिंह चौहान ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन होता है और उनकी प्रतिभा में भी निखार आता है। ग्रामीण खेल कूद पर बल देते हुए विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने कहा कि सभी गांव के बुजुर्गों को पुरानी परंपरा को पुनः संचालित करने के लिए युवाओं को आगे लाना चाहिए। विधान परिषद सदस्य ने कुश्ती एवं कूद प्रतियोगिता के आयोजक पप्पू सिंह को भी साधुवाद ज्ञापित किया। उल्लेखनीय है कि अजय सिंह उर्फ पप्पू सिंह कई वर्षों से नाग पंचमी के पावन अवसर पर कुश्ती और कूद प्रतियोगिता का आयोजन करते हैं जिसमें क्षेत्रीय खिलाड़ियों को अपना जौहर दिखाने का अवसर मिलता है।इस अवसर पर राजद नेता अशोक सिंह, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह, प्रधान पूती मिश्रा, राजेश सिंह फौजी, विमल तिवारी, राकेश सिंह भदौरिया ,अशोक कुमार सिंह अशोक सिंह राकेश सिंह राणा , पूर्व प्रधान शैलेंद्र सिंह ,राम प्रतापसिंह,रमेश बहादुर सिंह , जनार्दन सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में योगी जी के सबसे अधिक लंबे काल तक मुख्यमंत्री रहने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जताई प्रसन्नता

लालगंजरायबरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार 8 वर्ष 132 दिन का ऐतिहासिक कार्यकाल पूरा कर उत्तर प्रदेश में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। उत्तर प्रदेश सरकार के उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री योगी जी को बधाई देते हुए कहा कि सहजता ,सरलता और ईमानदार नेतृत्व के धनी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाया है । उनके मुख्यमंत्रित्व काल में जहां प्रदेश की जनता खुशहाल है, वही प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से अग्रसरहै। जिला अध्यक्ष बुद्धीलाल पासी ने मुख्यमंत्री को बधाई देते हुए कहा कि 2027 में भी भाजपा की सरकार बनेगी और योगी जी मुख्यमंत्री पद पर रहने का और अधिक रिकॉर्ड बनाएंगे। नगर पंचायत डलमऊ के अध्यक्ष बृजेश दत्त गौड़ ,विधानसभा सरेनी संयोजक सुशील शुक्ला ने कहा कि योगी जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विरासत से विकास की ओर बढ़ता हुआ नया उत्तर प्रदेश सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ रहा है। इसके साथ ही जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह,जन्मेजय सिंह ,शरद सिंह, विजय सिंह टप्पू,भाजपा नेता अनूप पांडे, भाजपा नेता दीप प्रकाश शुक्ला, भाजपा नेता जेपी सिंह, भाजपा विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष उमेश सिंह, किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष चंदनत्रिवेदी, मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, पूर्व विधानसभा संयोजक चंद्र प्रकाश पांडे, भाजपा सभासद कैलाश बाजपेई, रामप्रताप सिंह, राजेश सिंह फौजी ,अरुण कुमार सिंह, सुरेंद्र गुप्ता, शिवम गुप्ता, मंटू बाजपेई, रिंकू बाजपेई, मुन्नीलाल बाजपेई, धनंजय बाजपेई श्याम प्रसाद दीक्षित बाबू तिवारी आदि लोगों ने भी मुख्यमंत्री योगी जी को बधाईदी है।

बगैर लाइसेंस चलते मिला आटा मिल, आटा और सफेद पाउडर के नमूने भरे

खाद्य सुरक्षा अधिकारी यदुवीर सिंह ने सादाबाद में कुरसंडा मोड के निकट की कार्यवाही

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। कुरसंडा मोड स्थित एक आटा मिल पर सोमवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान आटा मिल का संचालन बगैर लाइसेंस होते हुए मिला। आटा मिल से करीब 16 कट्टे सफेद पाउडर तथा 10 किग्रा प्रति आटे के 170 पैकेटों को सीज कर दिया गया। मौके से आटा और पाउडर के नमूने भी भरे गए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी यदुवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कुरसंडा मोड़ स्थित एक आटा मिल पर आटे में मिलावट की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत पर कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान मौके से 16 कट्टा सफेद रंग का पाउडर मिला है, संभावना है कि इस पाउडर को आटे में न मिलाया जा रहा हो। इसीलिए, मौके से उक्त पाउडर व आटे का सैंपल भरा गया है। पाउडर के 16 कट्टों के अलावा 170 पैकेट आटा वजन 10 किग्रा प्रति पैकेट को मौके पर ही सीज कर दिया गया है। उक्त आटे की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई है। फर्म का लाइसेंस भी मौके पर नहीं मिला है। लिहाजा, बगैर लाइसेंस फर्म चलाने पर भी कार्रवाई की संस्तुति कर दी गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की मिलावट को सहन नहीं किया जाएगा।

सादाबाद में विनोवा नगर चौराहे व अन्य स्थानों पर मात्रा से अधिक रंग की रंगीन मिठाइयां बेचे जाने की भी शिकायत मिली है। जल्द ही ऐसे विक्रेताओं पर भी कार्रवाई की जाएगी।

सांसद से की अधिगृहित जमीन का उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। ग्राम पंचायत बिसावर के प्रधान प्रतिनिधि और भाजपा नेता जगवेंद्र चौधरी सांसद अनूप प्रधान से मिले और उन्हें ग्राम पंचायत की समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान की मांग की। जगवेंद्र चौधरी ने बताया कि आगरा से अलीगढ के बीच ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे बनाया जा रहा है, उसमें सादाबाद क्षेत्र के काफी किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है, लेकिन किसानों को उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है, इसलिए किसानों को उनकी जमीन का उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। इसके अलावा गांव गढ उमराव से मंदिर तक करीब पांच सौ मीटर के मार्ग, नगला गूलर से गढ़ी भगता तक करीब 250 मीटर, बिसावर टीकैत बंबा से नगला शेखा पुल तक चार हजार मीटर, गढ़ी रत्ती में मुख्य सड़क से रमेश के घर तक करीब 250 मीटर, टीकैत में मथुरा रोड से हॉस्पीटल तक करीब 300 मीटर, बिसावर आईटीआई से नगला मदारी तक करीब 800 मीटर तक मार्ग का निर्माण कराया जाए, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके। सांसद से आश्वस्त किया कि वह समस्याओं का समाधान कराएंगे और किसानों को उनकी जमीन का उचित मुआवजा भी दिलवाएंगे।

समाजसेवियों ने अज्ञात शव का हिंदू रीति रिवाज से किया दाहसंस्कार

(भव्य प्रभात)

हाथरस। व्यक्ति के मानव अधिकारों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य कर रही एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स संस्था अज्ञात शवों के धार्मिक रीति–रिवाज से दाह संस्कार का कार्य कर रही है।

अज्ञात शव को एडीएचआर की देखरेख और समाजसेवी सुनीत आर्य के नेतृत्व में दाहसंस्कार किया गया जिसके दाहसंस्कार की व्यवस्था मे एनएसएस अध्यक्ष सुनील अग्रवाल का पूर्णरूपेण सहयोग रहा । कोतवाली सिकंद्राराऊ के अंतर्गत 26 जुलाई को भिसी मिर्जापुर फौजी ढाबा के बराबर एक घुमंतू का शव मिला जिसकी उम्र लगभग 35 वर्ष थी मृतक के सब कपड़े फटे हुए थे। पुलिस द्वारा शव को शिनाख्त के लिए 72 घंटे रखा शव की शिनाख्त न होने के कारण शव को थाना पुलिस द्वारा लावारिस घोषित कर पोस्टमार्टम कराया गया उसके उपरांत पुलिस द्वारा समाजसेवी सुनीत आर्य व प्रवीन वार्ष्णेय से शव के अंतिम संस्कार के लिए अनुरोध किया गया समाजसेवियों द्वारा उपरोक्त शव का हिंदू रीति रिवाज दाहसंस्कार किया। अंतिम संस्कार में प्रवीन वार्ष्णेय राष्ट्रीय महासचिव एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स समाजसेवी सुनीत आर्या,एनएसएस अध्यक्ष सुनील अग्रवाल,आयोग दीपक ,बंटी भाई कपड़े वाले,साथ में नीरज गोयल,सतेंद्र मोहन राही, तरूण राघव,दीपांशु वार्ष्णेय,अंकित कुमार, कांस्टेबल दीपक चौधरी,पीआरडी देवराज सिंह मौजूद रहे।

नाग पंचमी पर सर्प के डंसने से महंत की मौत

(भव्य प्रभात)

सादाबाद। ग्राम पंचायत भुर्रका में स्थित नंदीश्वर आश्रम में रह रहे महंत को मंगलवार को नागपंचमी के दिन तड़के पांच बजे एक सांप ने डंस लिया। इससे महंत की हालत गंभीर हो गई। उन्हें उपचार के लिए ग्रामीण मथुरा ले गए, जहां से उन्हें आगरा के लिए रैफर किया गय, लेकिन वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, गांव भुर्रका में नंदीश्वर आश्रम में पिछले काफी समय से 46 वर्षीय विमलदास जी महाराज सेवा दे रहे थे। उनकी सांप के काटने से हुई मौत के बाद ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। आगरा से पोस्टमार्टम के बाद महंत का शव गांव में पहुंचा। उक्त महंत परस जिला कानपुर नगर के निवासी थे।

जनपद हाथरस में जिलाध्यक्ष ने की कांग्रेस के आठ नगर अध्यक्षों की घोषणा

हाथरस। कांग्रेस जिला अध्यक्ष विवेक उपाध्याय ने संगठन सृजन अभियान के तहत प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए तय समय के अंदर ही वरिष्ठ कांग्रेसीजनों के परामर्श व कार्यकर्ताओं की निष्ठा तथा सक्रियता को देखते हुए जिला कार्यकारिणी,ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा पहले ही की जा चुकी है और इसी कड़ी में जिला अध्यक्ष ने जनपद में आठ नगर अध्यक्षों की भी घोषणा कर दी है जिसमें सिकंदरा राऊ से सारिक वारसी,सहपऊ से गौरव कुमार, मेंडू से दुष्यंत वर्मा,सासनी से साजुद्दीन खान,हसायन से शाहिद अली सिद्दीकी, पुरदिल नगर से सोहेल खान,मुरसान से रवि प्रकाश,सादाबाद से अनुज शर्मा को नगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है।उक्त जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता डॉ. मुकेश चंद्रा ने बताया कि जिला अध्यक्ष विवेक उपाध्याय द्वारा नियुक्ति की किए गए सभी नगर अध्यक्षों की प्रदेश अध्यक्ष अजय राय द्वारा भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है ।

मारपीट में तीन लोग घायल, रिपोर्ट दर्ज

सादाबाद। प्राइवेट बस स्टेंड आगरा रोड सादाबाद निवासी सईद हुसैन पुत्र रसीद हुसैन ने मंगलवार को सादाबाद कोतवाली में सादाबाद निवासी राहुल, रमजाने, जीशान व दो अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में सईद ने बताया कि 27 जुलाई को शाम करीब नौ बजे उसके भाई रहीस हुसैन घर के बाहर काम कर रहा था, तभी उक्त नामजद गाली गलौज कर रहे थे। गाली गलौज की मना करने पर उक्त नामजदों ने मारपीट की, जिससे उसके भाई के सिर पर गंभीर चोट आई। मां व भतीजे के भी चोट आई है। यह लोग जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

सम्मन वास्ते करार दाद अमर तनकीय तलवी आर्डर-5

कायदा 1 व 5

व अदालत सिविल जज (क.प्र.)

मुकाम हाथरस जिला हाथरस

मूलवाद संख्या 120 सन 2017

1–मुरारीलाल उम्र करीब 65 वर्ष पुत्र स्व० श्री मूलचन्द्र निवासी चूडी वाली गली. हाथरस, तहसील हाथरस, जिला हाथरस ।

1/1–श्रीमती शान्ती देवी विधवा पत्नी स्व० मुरारीलाल निवासी चूडी वाली गली, हाथरस, तहसील हाथरस, जिला हाथरस

1/2–श्रीमती रीना उर्फ दीपिका पुत्री स्व० श्री मुरारीलाल पत्नी दिनेश कुमार निवासी फ्लैट नं० 10 बी ब्लॉक विकास नगर, विकास बिहार डी–के मोहन गार्डन, पश्चिमी दिल्ली।

1/3–श्रीमती नीरू पुत्री स्व० श्री मुरारीलाल पत्नी अशोक कुमार निवासी ए–17 पाकेट पी–विकास नगर, एक्सटेंशन गुरुद्वारा रोड, उत्तम नगर, पश्चिमी दिल्ली।

1/4–गिर्राज किशोर पुत्र स्व० मुरारीलाल निवासी चूडी वाली गली, हाथरस, तहसील हाथरस, जिला हाथरस।

1/5–श्रीमती पूनम पुत्री स्व० मुरारीलाल पत्नी महेन्द्र कुमार निवासी 1673 चौडा रास्ता जयपुर, सिटी जयपुर।..वादीगण

बनाम

1–सुरेशचन्द्र उम्र करीब 55 वर्ष पुत्र स्व० श्री बनवारीलाल

2–राकेश कुमार उम्र करीब 52 वर्ष पुत्र स्व० श्री बनवारीलाल

3–अशोक कुमार उम्र करीब 40 वर्ष पुत्र स्व० श्री बनवारीलाल

समस्त निवासीगण बिछुआ गली, हाथरस, तहसील हाथरस, जिला हाथरस।.... प्रतिवादीगण

चूँकि वादी ने आपके नाम एक नालिश दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 02 माह 09 सन् 2025 ई० व वक्त 10 : 00 बजे दिन असालतन या मार्फत वकील के जो हालात मुकद्मा से वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल मुकद्मा का जबाब दे सके या जिसके साथ में और कोई सख्श हो जो ऐसे सवालों का जबाव दे सकें, हाजिर हो और जबावदेही दावों को करे और आपको लाजिम है कि जुमला दस्तावेज को उसी रोज पेश करे जिन पर कि जबावदेही में अपनी प्रतिरक्षा में पेश करना चाहते हों, आपको इत्तिला दी जाती है अगर आप मजकूरा में हाजिर न हों तो आपकी गैर हाजिरी में एक और फैसिल होगी।

आज व तारीख 14–07– 2025 को मेरे हस्ताक्षर व मौहर इस अदालत से जारी किया गया।

हस्ताक्षर हाकिम

सम्बन्ध बिच्छेद एवँ बेदखली

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र आदिल अहमद एवं पुत्रवधु रौनक कुछ समय से गलत लोगों की बुरी संगति में पड़ गये है। उक्त दोनों मेरी बात मानने एवं सुनने को तैयार नहीं है। आयेदिन अशोभनीय भाषा का प्रयोग कर समाज में छवि धूमिल कर रहे है। उनके इन कृत्यों से तंग व परेशान होकर मैंने अपने पुत्र एवं पुत्रवधु से 28.07.2025 से अपने पूर्ण सम्बन्ध बिच्छेदित कर समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिये हैं। मैं एवं मेरे परिवार का उनसे किसी भी प्रकार का सम्बंध नही है। उक्त दोनों अपने–अपने कार्यकलापों के लिये स्वयं उत्तरदायी होंगे।

मौहम्मद इकराम
पुत्र स्व० श्री हाजी मौहम्मद
उरमान निवासी- भवन ७२. गली
हिलाल अहमद, मधुगढ़ी, थाना
सदर कोतवाली, हाथरस तह०व
जिला हाथरस।

ओवल स्टेडियम में 2 टेस्ट जीता है भारत

यहां आखिरी मैच, जीते तो सीरीज बराबर, शुभमन 3 बड़े रिकॉर्ड्स के करीब

भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन–तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां और आखिरी टेस्ट 31 जुलाई से खेला जाएगा। मुकाबला लंदन के द ओवल स्टेडियम में होगा, जिसके लिए दोनों ही टीमें लंदन पहुंच चुकी हैं। भारत ने यहां 15 टेस्ट खेले और महज 2 जीते। हालांकि, पिछली जीत 2021 में ही मिली थी। भारत ने द ओवल टेस्ट जीत लिया तो टीम सीरीज को 2–2 से बराबर कर लेगी। वहीं मुकाबला ड्रॉ हुआ या इंग्लैंड जीती तो सीरीज भी होम टीम के नाम हो जाएगी। पांचवें टेस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल के पास 3 बड़े रिकॉर्ड्स बनाने का मौका भी है। स्टोरी में द ओवल स्टेडियम का रिकॉर्ड... ओवल में भारत ने 2 टेस्ट जीते लंदन के द ओवल स्टेडियम में भारत ने 1936 में पहला टेस्ट खेला था, तब टीम को 9 विकेट से हार मिली थी। टीम को इस मैदान पर पहला टेस्ट जीतने में 35 साल लग गए। भारत ने 1971 में अजीत वाडेकर की कप्तानी में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया था। 1971 के बाद भारत ने द ओवल में 5 टेस्ट ड्रॉ कराए, जबकि 3 गंवाए। टीम को फिर इस मैदान पर 2021 में विराट कोहली की कप्तानी में दूसरी जीत मिली। उन्होंने 157 रन से टीम को जीत दिलाई थी। इस मैदान पर भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 14 टेस्ट खेले, 2 जीते और 5 गंवाए। इस दौरान 7 मुकाबले ड्रॉ भी रहे। ॅज्ब फाइनल भी यहीं गंवाया था भारत ने द ओवल में आखिरी टेस्ट 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। यह वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप (ज्ब्) का फाइनल था, जिसमें भारत को 209 रन से हार का सामना करना पड़ा था। रोहित शर्मा टीम इंडिया के कप्तान थे,

जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज की टीम अनाउंस होने से पहले ही इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। ओवल स्टेडियम में 43: टेस्ट जीता है इंग्लैंड इंग्लैंड ने द ओवल स्टेडियम में 106 टेस्ट खेले। 45 में टीम को जीत और महज 24 में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान 37 मुकाबले ड्रॉ भी रहे। हालांकि, इंग्लैंड यहां 52 रन पर ऑलआउट भी हो चुकी है। टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1948 में इस स्कोर पर आउट हुई थी। भारत के खिलाफ टीम 1971 में इस मैदान पर 101 पर सिमट चुकी है। ओवल में भारत ने 3 बार 500 प्लस रन बनाए ओवल स्टेडियम में भारत ने 3 बार 500 से ज्यादा रन के स्कोर बनाए, तीनों बार मुकाबले ड्रॉ रहे।

ओवल में इन दो खिलाड़ियों को हो सकती है टीम इंडिया में वापसी, जसप्रीत बुमराह भी आएगा फैसला

एंडरसन– तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज का पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के ओवल में खेला जाएगा। फिलहाल अभी तक सीरीज में इंग्लैंड टीम 2–1 से आगे है, वहीं इससे पहले चौथा टेस्ट मैच दोनों टीमों के बीच ड्रॉ खेला गया। वहीं भारत इस सीरीज को 2–2 करने के लिए ओवल में इंग्लैंड को हराना चाहेगी। इस मैच के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग 11 को लेकर काफी चर्चा है। जहां विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल होने के कारण आखिरी मैच से बाहर हो चुके हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह खेलेंगे या नहीं इस पर भी अभी जानकारी सामने आई है। कुलदीप यादव की होगी वापसी! इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में अभी तक कुलदीप यादव को एक भी मैच में मौका नहीं मिला है। रिपोर्ट्स के अनुसार कुलदीप यादव को ओवल टेस्ट में मौका मिल सकता है। ड्राई सरफेस पर उनकी स्पिन गेंदबाजी कारगर साबित हो सकती है। तेज गेंदबाज आकाशदीप चौथे टेस्ट में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे और उनकी अंशुल कंबोज को डेब्यू का मौका मिला था। कंबोज डेब्यू मैच में कमाल नहीं दिखा पाए और अब फिटनेस हासिल कर चुके आकाश को उनकी जगह मौका मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक आकाशदीप का दूसरे पेसर के रूप में खेलना तय है और वह सिराज का साथ देते दिख सकते हैं। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जसप्रीत बुमराह सिर्फ तीन मैच ही खेलने वाले थे, जो उन्होंने खेल लिए हैं। अब देखना होगा कि ओवल में बुमराह उपलब्ध रहते हैं या नहीं। बुमराह को लेकर अगले 24 घंटे में स्थिति साफ हो सकती है। वहीं अगर बुमराह ओवल टेस्ट नहीं खेलते हैं तो फिर अर्शदीप सिंह को डेब्यू का मौका मिल सकता है।

ओवल में जोफ्रा आर्चर की जगह इस खिलाड़ी को मिले मौका, इस दिग्गज ने दी इंग्लैंड टीम को चेतावनी

भारत और इंग्लैंड के बीच 31 जुलाई से लंदन के ओवल में पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच खेला जाएगा। लेकिन इस मैच से पहले दोनों टीमों की टेंशन खिलाड़ियों की फिटनेस ने बढ़ा रखी है। इस बीच इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने जोफ्रा आर्चर को लेकर जो बयान दिया है उसने चर्चा को और ज्यादा बढ़ा दिया है। स्टुअर्ट ब्रॉड ने साफ कहा है कि जोफ्रा आर्चर को ओवल टेस्ट में नहीं खिलाना चाहिए। जोफ्रा आर्चर ने हाल ही में 4 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी की है। उन्होंने 5 टेस्ट की सीरीज के तीसरे और चौथे मैच खेले। उनकी गेंदबाजी में रफ्तार और धार जरूर दिखी, लेकिन शरीर पर उसका असर साफ नजर आने लगा है। स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि अगर जोफ्रा आर्चर को अभी और खिलाया गया तो वह फिर लंबे समय के लिए बाहर हो सकते हैं। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज ने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा कि, हम आर्चर को 4 साल तक मिल नहीं कर सकते, फिर वापसी करवाएं और तुरंत उन्हें थका दें जिससे वह फिर 4 साल के लिए बाहर हो जाएं। जोफ्रा आर्चर को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने पर कौन–कौन खिलाड़ी उनका विकल्प हो सकते हैं इसे लेकर ब्रॉड ने आर्चर के विक्लप के तौर पर दो नाम सुझाए हैं। स्टुअर्ट ब्रॉड ने जोफ्रा आर्चर के संभावित रिप्लेसमेंट के बारे में कहा कि, जोश टंग ने सीरीज की शुरुआत की।

वाशिंगटन सुंदर के पिता ने कोच गंभीर और अजीत अगरकर पर बोला हमला

भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर के पिता एम सुंदर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर पर जमकर हमला बोला है। इस दौरान सुंदर के पिता ने बेटे को लगातार मौके ना मिलने पर निराशा जताई है। वशि के पिता का ये रिएक्शन ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में वाशिंगटन सुंदर के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद आया है। जहां सुंदर ने अपना पहला टेस्ट शतक ठोका और इंग्लैंड के खिलाफ मैच को ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। वाशी के पिता ने टीओआई से बात करते हुए।

न्यू रजिस्ट्रेशन बिल 2025 लाएगा डिजिटल सिस्टम, नए बिल की जरूरी बातें

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने नया पंजीकरण विधेयक 2025 तैयार किया है, जिसमें ऑनलाइन संपत्ति पंजीकरण, इलेक्ट्रॉनिक प्रवेश और दस्तावेजों की प्रस्तुति, इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने और ऑनलाइन रिकॉर्ड रखरखाव के प्रावधान पेश किए गए हैं। मसौदा विधेयक में सभी प्रमुख दस्तावेजों को डिजिटल बनाना अनिवार्य किया गया है, जो 117 साल पुराने पंजीकरण अधिनियम 1908 में एक बड़ा बदलाव है। इस विधेयक का उद्देश्य पूरे भारत में संपत्ति पंजीकरण को डिजिटल बनाना, भौतिक दस्तावेजीकरण को कम करना, जीवन को आसान बनाना और संपत्ति सौदों में पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। एक बार प्रतिक्रिया का विश्लेषण हो जाने के बाद, विधेयक को संसद में पेश किया जाएगा, जिसका कार्यान्वयन राज्य की तत्परता और डिजिटल बुनियादी ढाँचे की परिपक्वता के आधार पर चरणों में किया जाएगा। एक महत्वपूर्ण अपडेट यह है कि आधार–आधारित प्रमाणीकरण अब वैकल्पिक है। यह विधेयक वैकल्पिक सत्यापन विधियों की अनुमति देता है, जैसे ऑफलाइन सत्यापन या आधिकारिक रूप से वैध दस्तावेजों का उपयोग, यह सुनिश्चित करना कि आधार की अनुपस्थिति के कारण किसी भी व्यक्ति को पंजीकरण से मना नहीं किया जाएगा। मसौदा इसके दायरे का विस्तार करता है, बिक्री के लिए समझौते, बिक्री प्रमाण पत्र, न्यायसंगत बंधक, वसीयत और पावर–ऑफ–अटॉर्नी जैसे अतिरिक्त दस्तावेजों के लिए पंजीकरण को अनिवार्य बनाता है। पंजीकरण विधेयक 2025 क्या है? भारत सरकार ने 'पंजीकरण विधेयक 2025' का मसौदा जारी करके देश की संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। यह विधेयक एक सदी से भी ज़्यादा पुराने पंजीकरण अधिनियम 1908 की जगह लेगा, जिसका उद्देश्य संपत्ति और उससे जुड़े दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए एक डिजिटल, पारदर्शी और नागरिक–अनुकूल प्रणाली बनाना है। इस कदम से आम लोगों के लिए संपत्ति के लेन–देन को सरल, ज़्यादा सुरक्षित और कम तनावपूर्ण बनाने की उम्मीद है, साथ ही भ्रष्टाचार और कागजी कार्रवाई में भी कमी आएगी। पंजीकरण विधेयक 2025 की मुख्य विशेषताएं – एंड–टू–एंड डिजिटल पंजीकरणरू विधेयक एक केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल को अनिवार्य बनाता है जहाँ अचल संपत्ति के दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत किए जा सकते हैं, डिजिटल रूप से सत्यापित किए जा सकते हैं और भौतिक कार्यालयों में जाने की आवश्यकता के बिना पंजीकृत किए जा सकते हैं। कई राज्यों में पायलट परियोजनाओं ने प्रसंस्करण समय में कमी और बेहतर पारदर्शिता का प्रदर्शन किया है।

जीता चेस वर्ल्ड कप का खिताब, 19 साल की उम्र में किया कमाल

भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 अपने नाम कर लिया है। जॉर्जिया में हुए इस वर्ल्ड कप फाइनल में 19 वर्षीय दिव्या ने इस दौरान हमवतन कोनेरू हम्पी को शिकस्त देते हुए ये खिताब अपने नाम किया। पिछले साल ही दिव्या ने जूनियर वर्ल्ड चौंपियन का खिताब जीता था और अब वह महिला चेस वर्ल्ड कप की चौंपियन बन गई हैं। ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं। फाइनल मुकाबले में दोनों भारतीय दिग्गजों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। दोनों क्लासिकल गेम्स ड्रॉ रहे, जिसके बाद फैसला रैपिड टाईब्रेकर में हुआ। दिव्या देशमुख ने हम्पी को 1.5–0.5 से हराकर न केवल खिताब जीता बल्कि एक नया इतिहास भी रच दिया। वह शतरंज वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। इस बेहतरीन जीत के साथ ही दिव्या देशमुख भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं हैं। ग्रैंडमास्टर की उपाधि शतरंज की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित मानी जीता है और इसे हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बडी उपलब्धियो में से एक होता है।

भव्य प्रभात

तकनीक और छंटनी

पिछले कुछ वर्षों में भारत में बड़े पैमाने पर होने वाले तकनीकी परिवर्तनों के प्रति खासा उत्साह देखा गया है। देश में सामाजिक व आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल परिवर्तन को जनसाधारण ने भी उत्साह के साथ अंगीकार किया है। इस उम्मीद के साथ कि बदलते वक्त के साथ कदमताल करना अपरिहार्य है। आकांक्षा यह भी कि तकनीकी बदलाव के दौर में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में रोजगार के नये अवसर भी सृजित हों। ऐसे परिदृश्य में देश की प्रतिष्ठित मानी जाने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस द्वारा बारह हजार से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा एक परेशान करने वाला घटनाक्रम है। यह संख्या संस्था के कुल कार्यबल का दो फीसदी बैठता है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दर्शाता है। कहा जा रहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रेरित तकनीकी हस्तक्षेप और वैश्विक स्तर पर मांग को लेकर उत्पन्न अनिश्चितताओं के चलते भारत की प्रतिष्ठा का पर्याय रहा आईटी सेवा उद्योग संरचनात्मक बदलाव की ओर बढ़ रहा है। इस बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। उद्योग या बाजार की प्राथमिकताएं भी नहीं हैं। लेकिन मौजूदा समय में यह कदम लागत–अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, एक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाला यह है कि यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? बताया जाता है कि टीसीएस ने एआई को उन्नत करने और प्रशिक्षण में भारी निवेश किया है। इसके उपरांत बताया जा रहा है कि अब वह कई माध्यम से वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को सेवा में बनाये रखने में असमर्थता जता रही है। यह मानना कि नई तकनीक के साथ संवेदनशील समायोजन हमेशा लाभदायक नहीं रहता, की सोच ने एक खतरे की घंटी बजा दी है। देश के बड़े व छोटे व्यवसायों द्वारा नए तकनीकी मॉडल को आंख बंद करके अपनाने से एक परेशान करने वाले परिदृश्य का खतरा सामने नजर आ रहा है। इन उद्योगों को चिंता है कि तकनीकी बदलाव की स्पर्धा के इस परिदृश्य में कहीं वे पीछे न रह जाएं। इस अनिश्चित समय में, एक उम्मीद की किरण,यदि कोई है, तो वह है भारत का पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर सफलता से तकनीकी परिवर्तन को स्वीकार करना। देश ने हर सामाजिक और आर्थिक स्तर पर तेजी से डिजिटल तकनीक को सहजता से स्वीकार किया है। एआई को अपनाने के लिये उसी तरह सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के समर्थन–सहयोग की आवश्यकता है। सार रूप में कहें तो एक भारतीय दृष्टिकोण, जो मानव संसाधन और परिवर्तन के अनुकूल होने की उसकी क्षमता को महत्व देता है। निस्संदेह, भारत एआई के उपयोग के मामले में अमेरिका व यूरोप नहीं हो सकता। दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे–धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय परीक्षा में लाखों प्रत्याशियों का शामिल होना बताता है कि बेरोजगारी किस पैमाने पर है। यह भी कि उनके लिये अवसर बेहद कम हैं।

फिर वे बंगालियों के लिए आए

राजेन्द्र शर्मा

एक यूट्यूब के खबरिया चौनल के शो में अचानक लाकडॉउन का जिक्र आया तो झटका सा लगा। डर और हताशा में, हमारे शहरों को छोड़कर, अपनी पूरी गृहस्थी समेटकर, जैसे भी हो सके बस गांव–देहात के अपने घरों की ओर पलायन करते मेहनत–मजदूरी करने वालों के ठट्ठ के ठट्ठ आंखों के सामने घूम गए। अब एक बार फिर, वैसी ही मजबूरी में, उतने बड़े न सही, फिर भी लोगों के ठट्ठ के ठट्ठ राजधानी क्षेत्र के शहर गुड़गांव (अब गुरुग्राम) से बंगाल–असम में अपने घरों की ओर भाग रहे हैं। उनके बीच से ही लाकडॉउन के साथ आज के हालात की यह तुलना उभर कर आयी है। मुद्दा यह नहीं है कि हालात की यह तुलना कितनी उपयुक्त है या कितनी अतिरंजित है। मुद्दा यह है कि यह तुलना उस डर और हताशा को दिखाती है, जिससे हजारों की संख्या में मेहनत–मजदूरी करने वाले, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को छोड़कर भागने पर मजबूर हो रहे हैं। मुख्यधारा के मीडिया के मुंह फेरे रहने के बावजूद, जितनी भी जानकारियां सामने आयी हैं, उनसे तीन बातें एकदम स्पष्टङ्घ हैं। पहली, यह कि ये सब के सब बंगाली हैं, बंगाली भाषा बोलने वाले , जिनमें बड़ी संख्या मुसलमानों की है। दूसरी यह कि ये सब के सब मेहनत–मजदूरी के काम कर के रोटी कमाने के लिए, हजारों किलोमीटर का फासला तय कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पहुंचे लोग हैं। इनमें खासी बड़ी संख्या मध्यवर्गीय तथा उच्च मध्यवर्गीय परिवारों तथा उनकी सोसाइटियों में, घरेलू कामवालियों का काम करने वाली मजदूरिनों और साफ–सफाई के कामों से लेकर हाउस कीपिंग तक के कामों का बोझ संभाल रहे मजदूरों और ड्राइवरी से लेकर चौकीदारी व छोटे–मोटे दफ्तरी काम तक संभालने वाले, निचले पायदान के अस्थायी कर्मचारियों की है। तीसरी यह कि यह पलायन, कथित रूप से बंगलादेशी अवैध प्रवासी होने के शक के नाम पर, सभी बंगालियों तथा खासतौर पर बंगाली मुसलमानों की हरियाणा पुलिस द्वारा की जा रही पकड़–धकड़, मारपीट तथा खासकर पुरुषों को पकड़–पकड़ कर डिटेंशन सेंटरों में बंद किए जाने से फैली दहशत का परिणाम है। ज्यादातर लोगों ने बताया कि आधार, वोटर कार्ड, राशन कार्ड आदि से लेकर, बंगाल के देहात से अपने संबंध के तमाम साक्ष्य अपने पास होने और पुलिस को दिखाने के बावजूद, उन्हें पुलिस के उत्पीड़न के डर से भागना पड़ रहा है। हालांकि, ज्यादातर के लिए यह पलायन एक तरह की तात्कालिक प्रतिक्रिया ही है और कई ने माना भी कि हालात में सुधार आने पर वे लौट आएंगे, क्योंकि पीछे गांव–देहात में, रोजी–रोटी का साधन तो होगा नहीं, जिसकी वजह से ही वे अपने गांव–घर से निकलकर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आए थे। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि इस सामूहिक पलायन से, गुड़गांव के मध्यवर्गीय परिवारों में खासे संकट की स्थिति पैदा हो गयी है। घरेलू कामवालियां गायब हैं। सोसाइटियों से लेकर, आम तौर पर उपनगर तक की सफाई की व्यवस्था, अचानक मजदूरों के पलायन से चरमरा गयी है। एक गुड़गांववासी से कहा भी कि गुड़गांव में रहने वाला मध्यवर्ग तो श्अनाथश हो गया है! इसी का नतीजा है कि आम तौर पर इस तरह के बंगलादेशी घुसपैठिया–विरोधी अभियानों को वैचारिक–नैतिक समर्थन देने वाले, गेटेड कम्युनिटी–वासियों ने भी, सेवक–समुदाय के इस पलायन पर चिंता जतायी है और इसके दबाव में हरियाणा पुलिस ने भी इस मुहिम को कुछ धीमा करने के संकेत दिए हैं। इसी का एक संकेत है कि गुड़गांव में कम्युनिटी सेंटरों आदि में पुलिस द्वारा बंगलादेशी–संदिग्धों को बंद कर के रखने के लिए कायम किए गए चार डिटेंशन सेंटरों में से ज्यादातर खाली ही हो गए हैं। जाहिर है कि इन सेंटरों की यातनाओं से निकले लोग ही, गांव–घर के लिए इस पलायन में सबसे आगे हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि यह सिर्फ गुड़गांव तक ही सीमित मामला नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्य हिस्सों और खासतौर पर राजधानी दिल्ली में भी, बाकायदा पकड़–धकड़ तथा डिटेंशन सेंटरों के साथ ऐसी ही मुहिम छेड़ी गयी थी। वास्तव में इस मुहिम की शुरूआत, इस साल की शुरूआत में विधानसभाई चुनाव से भी पहले हो गयी थी, जब केंद्रीय गृहमंत्रालय के निर्देश पर, उपराज्यपाल ने औरळनतहंवद। सभी जानते हैं कि बंगलादेशी घुसपैठ का शोर, दिल्ली में हरेक चुनाव में ही संघ–भाजपा के विभाजनकारी प्रचार का एक मुद्दा बना रहा है। फिर भी, दिल्ली में बंगलादेशी घुसपैठ को उस तरह से चुनाव प्रचार में केंद्रीय मुद्दा नहीं बनाया जा सकता था, जिस तरह खुद प्रधानमंत्री ने झारखंड के विधानसभाई चुनाव में इसे अपने प्रचार का केंद्रीय मुद्दा बनाया था। दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद, बेशक कथित बंगलादेशी विरोधी मुहिम को और तेज भी किया गया। बाद में गुड़गांव में पुलिस ने, दिल्ली पुलिस द्वारा कायम किए गए इस मॉडल का ही अनुसरण किया है। फिर भी, गुडगांव में हरियाणा पुलिस ने धर–पकड़ के पैमाने से लेकर, यातनाओं के पैमाने तक के मामले में इस अभियान को और इससे पैदा हुई आम दहशत को कहीं बहुत बढ़ा दिया और प्रवासी बंगाली मजदूरों के पलट पलायन के जरिए, लॉकडाउन की याद दिला दी। जाहिर है कि केंद्रीय गृहमंत्रालय के बंगलादेशियों की पहचान संबंधी निर्देश का, अपने–अपने राजनीतिक तकाजों के हिसाब से, अन्य भाजपा–शासित राज्यों में भी परिपालन किया गया है। राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां बंगाली आबादी बहुत थोड़ी ही है, बंगलादेशी घुसपैठ के डर का चूंकि ज्यादा राजनीतिक दोहन नहीं किया जा सकता था, पकड़–धकड़ के बदनामी ही ज्यादा देने वाले इक्का–दुक्का मामलों के बाद ही, जिनमें दिल्ली की ही तरह बंगलादेशी होने के शक में पकड़े गए लोगों के बंगाल का निवासी होने के प्रमाण जल्द ही सामने आ गए थे, यह मुहिम ठंडी पड़ गयी। इसके विपरीत छत्तीसगढ़, ओडिशा, त्रिपुरा और असम में, संघ–भाजपा शासनों के स्थानीय राजनीतिक एजेंडों के साथ जुड़कर, इस मुहिम ने विकराल रूप ले लिया है। मुद्दा यह नहीं है कि मिसाल के तौर पर ओडिशा में बंगलादेशी होने के संदेह में नजरबंद किए गए सैकड़ों लोगों में से अधिकांश बाद में वैध बंगालनिवासी पाए गए हैं और उन्हें पुलिस को छोड़ना ही पड़ा है। मुद्दा यह है कि इन राज्यों में और सबसे बढ़कर असम में, बहुसंक्चयकवादी सांप्रदायिकता के पाले में हिंदुओं के बड़े हिस्से को उग्र तरीके से खींचने के लिए, कथित बंगलादेशी–विरोधी मुहिम का इस्तेमाल संभव नजर आता है। हैरानी की बात नहीं होगी कि इस मुहिम के सांप्रदायिक आशयों का सबसे पहले तो बिहार के चुनाव में और फिर उसके बाद मुख्य रूप से बंगाल और असम के चुनाव में किंतु विपरीत प्रभाव के लिए इस्तेमाल हो। अगर गुड़गांव में इस मुहिम ने लॉकडाउन की याद दिला दी है, तो असम में इसी के सिलसिले में, और पीछे अस्सी के दशक के उग्र श्असम आंदोलनश का याद किया जाना शुरू हो गया है। दूसरी ओर बंगाल में, पिछले विधानसभाई चुनाव की तरह इस बार भी श्बंगाली अस्मिताश की रक्षा की चिंता के, सत्ताधारी पार्टी के लिए ही मददगार होने के अनुमान लगाए जाने लगे हैं। जब तक उसे इस मुद्दे से असम में काफी लाभ की उम्मीद है, संघ–भाजपा जोड़ी को इसी मुद्दे के बंगाल और असम के बीच ऐसे विभाजित राजनीतिक परिणाम से भी ज्यादा शिकायत नहीं होगी। उनके लिए इतना ही काफी होगा कि असम हाथ में बना रहे। भारत जैसे देश में, जहां आम लोगों के पास नागरिकता का कोई प्रामाणिक साक्ष्य है ही नहीं, संदेह के आधार पर पुलिस को नागरिकता की पहचान करने का और इस क्रम में आधार, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड जैसे आमतौर पर लोगों के पास पाए जाने वाले पहचान पत्रों को अमान्य करने अधिकार दे दिया जाता है, तो उसके वही नतीजे होंगे जो गुड़गांव से बंगाली प्रवासियों के पलायन के रूप में और उससे भी बड़े पैमाने पर मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण या सर में बिहार में, देखने को मिल रहे है। हाशियावर्ती, कमजोर तबकों का बहिष्करण, इसका स्वाभाविक परिणाम है। और चूंकि इस बहिष्करण का संदर्भ राष्ट्रीयता का है, इसके नतीजों की भयानकता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इस मुहिम के क्रम में हजारों की संख्या में न सही, फिर भी सैकड़ों की संख्या में तो जरूर कथित बंगलादेशियों को, बंगलादेश द्वारा उन्हें नागरिकता की जांच के बाद स्वीकार किए जाने का इंतजार किए बिना, बंगलादेश की सीमा में जबरन धकेलने की कोशिशें की गयी हैं। ये कोशिशें थल सीमा से ही नहीं, जल सीमा में धकेलने की भी गयी हैं। और भारत की शर्मिंदगी का बाइस बनते हुए, इस तरह बंगलादेश में धकेले गए लोगों में से कई बाद में भारतीय साबित हुए हैं और उन्हें देश में वापस लाना पड़ा है। फिर भी अगर बंगाली के बंगलादेशी के साथ गड्डमड्ड किए जाने में संघ–भाजपा को कोई दुविधा महसूस नहीं होती है, तो ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि बंगाली ही विशेष रूप से उनके निशाने पर हैं। ऐसा इसलिए है कि एक ओर हाशियावर्ती, कमजोर तबके और दूसरी ओर हिंदी–संस्कृत–इतर सभी भाषायी संस्कृतियां, दबाए जाने के लिए उनके निशाने पर हैं। यह संयोग ही नहीं है कि अभी पिछले ही दिनों वे महाराष्ट्र में प्राइमरी स्कूलों में हिंदी थोपे जाने के विरोध से निपटने के लिए, मराठी को निशाने पर लिए हुए थे।

हल्दी, सिर्फ एक मसाला नहीं है बल्कि यह हर भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है। हल्दी न सिर्फ खाने में रंग और स्वाद लाती है, बल्कि यह कई घरेलू नुस्खों में भी काम आती है। पुराने समय से ही हल्दी का उपयोग घाव भरने, इम्युनिटी बढ़ाने, गले की खराश ठीक करने, और कई बीमारियों से लड़ने के लिए किया जाता रहा है। यह अपने एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटी–बैक्टीरियल, और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। चाहे आप हल्दी को पाउडर के रूप में इस्तेमाल करते हों या कच्ची हल्दी घर पर रखते हों, उसे सही तरीके से स्टोर करना जरूरी है ताकि उसका स्वाद, खुशबू, और फायदे बरकरार रहें। यहां हम आपको बता रहे हैं हल्दी को स्टोर करने के 4 आसान और असरदार तरीके

हल्दी पाउडर को कैसे स्टोर करें?

1. हल्दी पाउडर को हमेशा एयरटाइट कंटेनर में रखें ताकि उसमें नमी न जाए।

2. इसे धूप, गर्मी, और नमी से दूर रखें। हल्दी धूप में रखने से अपना रंग और गुण खो देती है।

3. जब भी हल्दी निकालें, सूखी चम्मच का इस्तेमाल करें। गीली चम्मच से नमी आ जाती है, जिससे हल्दी जल्दी खराब हो सकती है।

4. अगर आपने थोक में हल्दी खरीदी है, तो उसे छोटे–छोटे हिस्सों में बांट लें। इससे पूरा स्टॉक बार–बार हवा के संपर्क में नहीं आएगा और ज्यादा दिनों तक चलेगा।

कच्ची हल्दी को कैसे स्टोर करें?

1. सबसे पहले हल्दी को हल्के हाथों से धो लें ताकि उस पर लगी मिट्टी निकल जाए। फिर उसे पूरी तरह सुखा लें।

2. सूखी हुई हल्दी को एक पेपर टॉवल में लपेटें और उसे जिपलॉक बैग या एयरटाइट डिब्बे में रखें। पेपर टॉवल अतिरिक्त नमी सोख लेगा।

3. इस डिब्बे को अपने फ्रिज के वेजिटेबल ड्रॉअर में रखें। इस तरह हल्दी 2 से 3 हफ्ते तक ताजी बनी रहेगी।

4. अगर आप हल्दी को लंबे समय तक रखना चाहते हैं, तो इसे काटकर या कद्दूकस करके छोटे हिस्सों में फ्रीज कर लें। आप इसे आइस क्यूब ट्रे में भी स्टोर कर सकते हैं और जरूरत के अनुसार इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्राकृतिक तरीकों से हल्दी को कैसे संरक्षित करें?

अगर आप हल्दी को लंबे समय तक बिना फ्रीज किए रखना चाहते हैं, तो पुराने देसी तरीके अपनाएं।

हल्दी को प्राकृतिक रूप से स्टोर करने के उपायः कच्ची हल्दी को पतले स्लाइस में काट लें और 2–3 दिनों तक धूप में सुखाएं। जब यह पूरी तरह सूख जाए, तो इसे मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें और एयरटाइट डिब्बे में स्टोर करें। हल्दी पाउडर के डिब्बे में आप तेज पत्ता या नीम की लकड़ी या पत्तियां डाल सकते हैं। यह नमी और कीड़े–मकोड़ों को दूर रखते हैं और हल्दी को ताजा बनाए रखते हैं।

चाहे हल्दी पाउडर हो या कच्ची हल्दी, थोड़ी सी सावधानी से आप इसे लंबे समय तक खराब होने से बचा सकते हैं।

किडनी स्वास्थ्य
बनाए रखने में आहार की भूमिका

क्या आपको भी खाने में थोड़ा ज्यादा नमक पसंद है? या फिर बिना ऊपर से नमक छिड़के खाना अधूरा लगता है? अगर हां तो यह आदत आपकी सेहत के लिए खतरे की घंटी बन सकती है। नमक, जो खाने का स्वाद बढ़ाता है, अगर जरूरत से ज़्यादा खा लिया जाए तो यह धीरे–धीरे शरीर को नुकसान पहुंचाने लगता है।

आजकल की लाइफस्टाइल में हम जाने–अनजाने में ज्यादा नमक खा रहे हैं कभी पैकेट वाले चिप्स से तो कभी बाहर के फास्ट फूड से। लेकिन जैसे सब कुछ संतुलन में अच्छा होता है वैसे ही नमक का सेवन भी मापदंड पर होना चाहिए। जरूरत से ज़्यादा या कम, दोनों ही सेहत पर बुरा असर डालते हैं।

ज्यादा नमक खाने के नुकसान

हाई ब्लड प्रेशर का जोखिमः अधिक नमक लेने से रक्त वाहिकाओं पर दबाव बढ़ता है जिससे ब्लड प्रेशर ऊंचा हो सकता है। यह हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है।

हृदय संबंधी खतरेः लगातार उच्च ब्लड प्रेशर से धमनियां सिकुड़ सकती हैं और हार्ट अटैक या हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ जाता है।

किडनी पर अधिक दबावः किडनी अतिरिक्त नमक निकालने में मुश्किल महसूस करती है, जिससे उसका कार्य प्रभावित होता है और किडनी की बीमारी का खतरा बढ़ता है।

हड्डियों में कमजोरीः अधिक नमक कैल्शियम की मात्रा को बाहर निकाल देता है, जिससे हड्डियां कमजोर और ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन सकती हैं।

पेट का कैंसरः कुछ रिसर्च से पता चलता है कि अत्यधिक नमक पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है और पेट कैंसर का जोखिम बढ़ा सकता है।

सूजन और पानी रुकनाः शरीर में ज्यादा नमक से पानी जमा हो जाता है, जिससे हाथ, पैर और टखनों में सूजन हो सकती है।

नमक की मात्रा को कैसे नियंत्रित रखें?

प्रोसेस्ड फूड से बचेंः पैकेट बंद सामान में नमक की मात्रा बहुत अधिक होती है, इसे कम करना बुद्धिमानी है।

घरेलू, ताजा खाना अपनाएंः खुद पका हुआ स्वाद से भरा भोजन खाने में न सिर्फ सेहतमंद, बल्कि नियंत्रित भी होता है।

नमक की बजाय मसाले आजमाएंः काली मिर्च, हल्दी, जीरा, हरी मिर्च आदि से खाने का स्वाद बेहतर बनता है और सेहत को भी फायदा होता है।

नमक डालने से पहले सोचेंः क्या सच में इतनी मात्रा चाहिए? यह सवाल खाकर ही नमक का इस्तेमाल करें।

नमकीन स्नैक्स से दूरी बनाएंः पापड़ी, नमकिया और अन्य नमकयुक्त स्नैक्स को खाने की आदत कम करें।

विशेष स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेंः अगर आपको उच्च ब्लड प्रेशर या किडनी की बीमारी है, तो नमक की मात्रा डॉक्टर की सलाह से तय करें।

नमक का संतुलन क्यों जरूरी है?

नमक केवल स्वाद का ही नहीं, बल्कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन, तंत्रिका तंत्र और मांसपेशियों की गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण है। लेकिन ज्यादा लेने से ये स्वस्थ कार्य बिगड़ सकते हैं और बीमारियों को बुलावा दे सकते हैं। नमक का सेवन न बहुत कम करें और न ही जरूरत से ज़्यादा। संतुलित भोजन में उचित मात्रा में नमक मिलाकर स्वास्थ्य बनाए रखें। इससे आप कई जोखिमों से बचकर स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी पाएंगे।

रात में पसीना आना यानी नाइट स्वेट्स बहुत से लोगों के लिए एक आम समस्या हो सकती है, खासकर गर्मियों या उमस वाले मौसम में। लेकिन जब यह पसीना बार–बार बिना किसी खास वजह के आता है तो यह हमारे शरीर में छुपी किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है। इसलिए इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। रात में पसीना आना कभी–कभी शरीर की एक चेतावनी भी होती है, जिसे नजरअंदाज करना हानिकारक हो सकता है।

नाइट स्वेट्स कब चिंता की बात होती है?

अगर पसीना आने के कारण सिर्फ गर्मी या उमस है तो उसे आम बात माना जा सकता है। लेकिन अगर कमरा ठंडा है, बिस्तर भीग जाता है और फिर भी पसीना आता रहता है।